एक नजर में

हार्दिक को अपना 'सर्वश्रेष्ठ खेल' दिखाना होगा

नयी दिल्ली. मुंबई इंडियंस, हार्दिक पंड्या की कप्तानी में टाटा आईपीएल 2026 में उतर रही है. उनका लक्ष्य पिछले पाँच सालों से चले आ रहे ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना और लीग के इतिहास में सबसे सफल फ्रेंचाइजी बनना है. जियो हॉटस्टार के शो 'गेम प्लान – नो योर टीम' पर बात करते हुए, जियो स्टार के एक्सपर्ट हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा ने पंड्या से आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने की अपील की. साथ ही, उन्होंने एमआई की ओपनिंग जोड़ी को लेकर चल रही उलझन और टीम में जसप्रीत बुमराह की जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की. हरभजन सिंह ने हार्दिक पंड्या से आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने की अपील करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने असली रूप में सामने आना होगा. उन्हें अपना 'बेस्ट गेम' दिखाना होगा. जब वह अपना 'बेस्ट गेम' खेलना शुरू करेंगे – न सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर, बल्कि एक गेंदबाज के तौर पर भी – तो इससे बहुत बड़ा फर्क पड़ेगा. हमने उन्हें टी 20 वर्ल्ड कप में गेंदबाजी करते देखा था. गेंद के साथ उनका प्रदर्शन शानदार था.

आईपीएल 2026 होस्ट करेगा चिन्नास्वामी स्टेडियम

बेंगलुरु. बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईपीएल 2026 होस्ट करने की मंजूरी मिल गई है. सोमवार को सरकार द्वारा नियुक्त एक एक्सपर्ट कमेटी ने इस स्टेडियम को इस्तेमाल के लिए मंजूरी दे दी. इसका सीधा मतलब यह है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम – जहाँ 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइज़र्स हैदराबाद के बीच सीजन का पहला मैच होना है – वहाँ एक प्लेऑफ़ मैच और फ़ाइनल भी खेला जाएगा. यह परंपरा रही है कि मौजूदा चैंपियन टीम ही टाइटल मैच होस्ट करती है. कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर द्वारा नियुक्त एक कमेटी ने शुक्रवार को स्टेडियम परिसर का बारीकी से जायज़ा लिया. दिन भर चले इस ऑडिट में स्टेडियम की बनावट से जुड़े नियमों के पालन की कई जाँचें की गईं, साथ ही स्टेडियम के आस-पास भीड़ को कंट्रोल करने के लिए उठाए गए कदमों का भी जायज़ा लिया गया.

किशन आर और प्रीमल जे बने चैंपियन

बेंगलुरु. कर्नाटक के पूर्व नेशनल चैंपियन किशन आर ने एआरसी 34वीं नेशनल टेनपिन बॉलिंग चैंपियनशिप के पुरुषों के वर्ग में अपना दूसरा नेशनल खिताब जीता. यह चैंपियनशिप सोमवार को यहां चर्च स्ट्रीट स्थित अमीबा में संपन्न हुई. महिलाओं के वर्ग में, कर्नाटक की प्रीमल जे ने अपना पहला नेशनल खिताब जीता, जिससे इस वर्ग में कर्नाटक का 15 साल का इंतजार खत्म हो गया. दो गेमों के कुल पिनफॉल के आधार पर खेले गए चैंपियनशिप मैच में, टॉप सीड किशन आर ने शांत और संयमित प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में 17 पिन की बढ़त बना ली (208 – 191). उन्होंने दूसरे गेम में अपनी बढ़त को और बढ़ाया, जिसमें उन्होंने 244 का हाई स्कोर बनाया, जबकि आकाश ने 238 बनाए. इस तरह उन्होंने कुल 23 पिनों के अंतर से खिताब अपने नाम कर लिया (452– 429). इससे पहले दिन में, पुरुषों के वर्ग के स्टेपलैडर राउंड के पहले मैच में, तीसरी सीड आकाश अशोक कुमार (358) ने चौथी सीड शनमुगनंदा (308) को 50 पिनों से हराया. इसके बाद आकाश ने अगले मैच में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, जिसमें उन्होंने 476 का स्कोर बनाकर दूसरी सीड ध्रुव सरदा (374) को 102 पिनों से हराया और फाइनल में जगह बनाई.

एनआरएआई नेशनल कोचेज कोर्स का उद्घाटन

जमशेदपुर. नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने आज होटल अल्कोर में एनआरएआई नेशनल कोचेज कोर्स का उद्घाटन किया. यह झारखंड में शूटिंग खेलों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. वर्ष 2000 में राज्य के गठन के बाद पहली बार झारखंड में इस तरह का कोर्स आयोजित किया जा रहा है, जिससे महत्वाकांक्षी कोचों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण मिलेगा और जमीनी स्तर पर खेल के विकास को गति मिलेगी. इस सात दिवसीय गहन कार्यक्रम में पांच राज्यों झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से कुल 33 कोच भाग ले रहे हैं. राइफल और पिस्टल शूटिंग में कोचिंग को नए स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से तैयार इस कोर्स में प्रतिभागियों को तकनीकी प्रशिक्षण, खेल विज्ञान और संचार कौशल से जुड़े एनआरएआई प्रमाणित मॉड्यूल्स के जरिए प्रशिक्षित किया जाएगा. एनआरएआई के विशेषज्ञ फैकल्टी के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को युवा प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें निखारने के लिए जरूरी उपकरण और पद्धतियां मिलेंगी, जिससे भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और बेहतर सफलता के लिए तैयार किया जा सके.

भारतीय खेलों के भविष्य हेतु दीर्घकालिक योजना जरूरी

➡टखेल इकोसिस्टम में कॉर्पोरेट्स की बढ़ती भूमिका, मीडिया की स्टोरीटेलिंग से खिलाड़ियों को प्रेरणा

नई दिल्ली, 16 मार्च. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने भारतीय खेलों के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है.

उन्होंने कहा कि भारत को 2030 से 2036 तक के वैश्विक खेल चक्र को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, ताकि देश अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी खेल पहचान को और मजबूत बना सके. नई

दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के नेशनल कन्वेंशन के गोल्डन जुबली समारोह के तीसरे दिन आयोजित ग्रैंड स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में बोलते हुए जय शाह ने कहा कि भारत को भविष्य के बड़े खेल आयोजनों को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक योजना तैयार करनी होगी. उन्होंने कहा कि जब देश वर्तमान प्रतियोगिताओं में भागीदारी पर ध्यान दे रहा है, उसी समय आने वाले वैश्विक खेल आयोजनों की तैयारी भी शुरू कर देनी चाहिए. शाह के अनुसार कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 और संभावित ओलंपिक खेल 2036 जैसे आयोजनों के लिए पहले से रणनीति बनाना बेहद जरूरी है. जय शाह ने कहा, 'यदि भारत अपनी वैश्विक खेल पहचान को मजबूत बनाना चाहता है, तो इन बड़े आयोजनों के लिए योजना काफी पहले शुरू करनी होगी. इससे न केवल खिलाड़ियों की तैयारी बेहतर होगी, बल्कि खेल ढांचे और प्रतिभा विकास को भी नई दिशा मिलेगी.' उन्होंने भारतीय क्रिकेट की हालिया सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2019 से 2026 के बीच का समय भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद सफल रहा है.

> कार्यक्रम में संजय भान ने भारतीय खेल इकोसिस्टम में कॉर्पोरेट क्षेत्र की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारतीय खेलों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. क्रिकेट अभी भी सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन फुटबॉल, हॉकी और गोल्फ जैसे खेल भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं. भान ने कहा कि आज कॉर्पोरेट क्षेत्र केवल पारंपरिक प्रायोजन तक सीमित नहीं रहा है.

> शाह ने कहा कि भारत की आईसीसी टी20 विश्व कप में जीत देश के लिए गर्व का क्षण था. उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को दुनिया तक पहुंचाने में खेल मीडिया की भूमिका की सराहना की. उनके अनुसार खेल पत्रकारों ने टीम के सफर और जीत के पलों को करोड़ों प्रशंसकों तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया. उन्होंने कहा कि खेलों का विकास केवल खिलाड़ियों या खेल संघों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए सभी हितधारकों के बीच सहयोग जरूरी है.

राफिन्हा की शानदार हैट्रिक बार्सिलोना ने सेविला को हराया

बार्सिलोना, 16 स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेविला एफसी को हरा दिया. बार्सिलोना के ब्राज़ीलियाई स्टार राफिन्हा ने मैच में हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई और घरेलू दर्शकों को शानदार खेल का नजारा दिखाया.

स्पेन के बार्सिलोना शहर में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही बार्सिलोना की टीम आक्रामक अंदाज में नजर आई. घरेलू टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए सेविला के गोलपोस्ट पर लगातार दबाव बनाया. तेज पासिंग और आक्रामक रणनीति के साथ बार्सिलोना ने मैच की शुरुआत से ही खेल पर पकड़ बना ली.

मैच का पहला गोल बार्सिलोना के स्टार विंगर राफिन्हा ने किया. उन्होंने शानदार मूव बनाते हुए सेविला के डिफेंस को चकमा दिया और सटीक शॉट के साथ गेंद को नेट में पहुंचा दिया. इस गोल के बाद स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. गोल खाने के बाद सेविला ने बराबरी करने की कोशिश की. टीम के खिलाड़ी जुआनलू सांचेज ने कुछ अच्छे हमले बनाए, लेकिन बार्सिलोना की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें ज्यादा मौका नहीं दिया. बार्सिलोना के डिफेंडरों ने पूरे मैच में संगठित खेल दिखाते हुए सेविला के हमलों को रोक दिया.

दूसरे हाफ में बार्सिलोना को पेनल्टी का मौका मिला. इस मौके का फायदा उठाते हुए राफिन्हा ने शानदार शॉट के साथ गेंद को गोल में बदल दिया.

> यह उनका मैच का दूसरा गोल था, जिससे बार्सिलोना की बढ़त और मजबूत हो गई. मैच के अंतिम चरण में राफिन्हा ने एक और शानदार गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी कर ली. उनके इस गोल के बाद बार्सिलोना के प्रशंसकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया. इस हैट्रिक ने मैच को पूरी तरह बार्सिलोना के पक्ष में कर दिया. बार्सिलोना के युवा खिलाड़ियों ने भी इस मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन किया. डिफेंडर पाउ क्यूबार्सी ने हवाई गेंदों पर शानदार नियंत्रण दिखाया और सेविला के हमलों को कई बार नाकाम किया.

क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

नयी दिल्ली, 16 मार्च 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के वार्षिक अवॉर्ड समारोह में हर्षा भोगले से बात करने के दौरान वैभव सूर्यवंशी इस बात को लेकर निश्चित थे कि वह क्रिस गेल के 175 रन के उस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं जो उन्होंने 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के ख़िलाफ बनाया था.

गेल ने 66 गेंदों पर 175 रनों की पारी खेली थी जो कि पुरुष टी20 में अभी तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है. 2018 में हरारे में ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ आरोन फ़िंच द्वारा बनाए गए 172 रन इस सूची में दूसरे स्थान पर है.

सूर्यवंशी ने ख़ुद भी 2025 के अंतिम दिनों में एशिया कप राइज़िंग स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के ख़िलाफ़ खेलते हुए इंडिया ए के लिए 144 का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया थे. जो कि उनके द्वारा खेली गई अब तक 18 टी20 पारियों में तीसरा शतक था. आईपीएल के इतिहास में उनके नाम दूसरा सबसे तेज शतक भी है, जो उन्होंने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए खेलते हुए गुजरात टाइटंस (जीटी) के ख़िलाफ़ 35 गेंदों में जड़ा था. यह दूसरा सबसे तेज शतक है क्योंकि गेल ने अपनी 175 रनों की पारी में शतक मात्र 30 गेंदों पर जड़ दिया था.

हॉकी वर्ल्ड कप के पूल मंगलवार को होंगे घोषित

लुसाने, 16 मार्च एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफ़ायर में दो हफ़्तों की ज़ोरदार और रोमांचक हॉकी के बाद-जिसमें कम से कम 14 टीमों ने इस प्रतिष्ठित इवेंट में अपनी जगह पक्की की-आने वाले वर्ल्ड कप की राह में अगला बड़ा पड़ाव बस आने ही वाला है.

दरअसल, आधिकारिक ड्रॉ सेरेमनी-जिसमें सभी 32 क्वालिफ़ाई की हुई टीमों को ग्रुप स्टेज के लिए अपने विरोधी टीमों के बारे में पता चलेगा-कल, 17 मार्च को दोपहर 3 बजे एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स के मशहूर वैगेनर स्टेडियम में होनी है. यह उन दो जगहों में से एक है जहाँ वर्ल्ड कप होगा; दूसरी जगह वेव्रे, बेल्जियम में एकदम नया बेल्फ़ियस हॉकी एरिना है. यह समारोह, जिसका वाच डॉट हॉकी पर लाइव-स्ट्रीम किया जाएगा. इसमें एफआईएच के प्रेसिडेंट तैयब इकराम, एफआईएच के वाइस-प्रेसिडेंट और यूरो हॉकी के प्रेसिडेंट मार्कोस हॉफमैन, एफआईएच एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य एरिक कॉर्नेलिसन और कई अन्य मेहमान शामिल होंगे.

चोट के कारण ईश टी20 सीरीज से बाहर

वेलिंग्टन, 16 मार्च न्यूज़ीलैंड के लेग-स्पिनर ईश सोढी अंगूठे की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं.

सोढी को शनिवार, 14 मार्च को बे ओवल में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान गेंदबाज़ी करते समय यह चोट लगी थी. स्कैन से पुष्टि हुई कि सोढी का अंगूठा टूट गया है, जिसके कारण उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा. उन्हें कम से कम चार हफ़्ते के आराम की जरूरत होगी.

वह पहले टी20 मैच में नहीं खेले थे; न्यूज़ीलैंड की सात विकेट की हार में स्पिन गेंदबाज़ी के लिए मिचेल सैंटनर ने कोल मैककॉन्ची के साथ जोड़ी बनाई थी. न्यूज़ीलैंड ने सोढी की जगह किसी और खिलाड़ी को टीम में न बुलाने का फ़ैसला किया है. लॉकी फर्ग्यूसन, जो दूसरे और तीसरे मैच में खेलने वाले थे, टीम के साथ जुड़ गए हैं, इसलिए मेजबान टीम को लगता है कि उनके पास पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं.सीरीज के बाद के मैचों में शामिल होने वाले अन्य खिलाड़ी हैं: कैटेन क्लार्क (मैच 4, 5), विकेटकीपर डेन क्लीवर (मैच 4-5) और जेडन लेनोक्स (मैच 4-5); वहीं, सैंटनर की गैरमौजूदगी में टॉम लैथम आखिरी दो मैचों में टीम की कप्तानी

करेंगे. कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'ईश न्यूज़ीलैंड के लिए खेलने को लेकर बहुत जुनूनी हैं और हम जानते हैं कि (2026 टी20) वर्ल्ड कप कैंपेन के बाद वह अपने घरेलू फैंस के सामने खेलने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे.

बड़ी उपलब्धि ▶ खिलाड़ियों की तैयारी, भलाई और विकास को खेल नीतियों के केंद्र में रखने की अपील

एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस पर उषा का जोर

नई दिल्ली, 16 मार्च भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारतीय खेलों के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस की जरूरत पर जोर दिया है.

उनका कहना है कि खेल से जुड़े सभी निर्णयों के केंद्र में खिलाड़ियों की तैयारी, भलाई और उनके समग्र विकास को रखा जाना चाहिए, तभी भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकता है.

नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया

(एसजेएफआई) नेशनल कन्वेंशन के गोल्डन जुबली समारोह के तीसरे दिन अपने संबोधन में पीटी उषा ने भारतीय खेलों के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत के खेल ढांचे में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों और संस्थागत सहयोग के कारण खेल इकोसिस्टम पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुआ है.

हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय खेलों की वास्तविक ताकत जमीनी स्तर पर मौजूद है. उनके अनुसार गांवों, कस्बों और स्कूलों में बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मौजूद हैं, जिन्हें सही प्रशिक्षण और संसाधन मिलें तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं.

उषा ने कहा कि एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस का मतलब यह है कि खेल से जुड़े सभी फैसले खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर लिए जाएं. इसमें उनकी तैयारी, स्वास्थ्य, मानसिक मजबूती और करियर विकास जैसे पहलुओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए. उन्होंने खेल प्रशासकों और विभिन्न खेल संगठनों से अपील की कि वे जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं.

> यदि ग्रामीण और छोटे शहरों के खिलाड़ियों को सही अवसर और सुविधाएं मिलें, तो भारत खेलों में नई ऊंचाइयों को छू सकता है. इस दौरान उन्होंने खेल पत्रकारिता की भूमिका की भी सराहना की. उषा ने कहा कि खेल पत्रकार केवल नतीजों को दर्ज करने का काम नहीं करते, बल्कि वे खिलाड़ियों के संघर्ष, मेहनत और उपलब्धियों की कहानियों को दुनिया के सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं. उनके अनुसार खेल पत्रकारिता के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है और कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी खेलों की ओर आकर्षित होते हैं. उन्होंने कहा कि सकारात्मक और प्रेरणादायक कहानियां देश में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

सबालेंका ने इंडियन वेल्स में जीता खिताब

कैलिफ़ोर्निया, 16 मार्च. एक पपी लेना, सगाई करना, चैंपियनशिप पॉइंट बचाना और लंबे समय से इंतज़ार किए जा रहे इंडियन वेल्स का खिताब जीतना - यह एक ऐसा हफ़्ता रहा जिसे दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका 'पूरी ज़िंदगी' याद रखेंगी.

सबालेंका ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल में एलेना रायबाकिना के हाथों मिली हार के बुरे अनुभवों को पीछे छोड़ते हुए, कज़ाख खिलाड़ी पर 3-6 6-3 7-6 (8-6) से जीत हासिल की. कैलिफ़ोर्निया की चिलचिलाती धूप में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को अपनी पूरी ताक़त लगाने पर मजबूर कर दिया, जब तक कि सबालेंका ने टाई-ब्रेक में बाज़ी नहीं मार ली - जिसमें एक ज़ोरदार बैकहैंड विनर के साथ चैंपियनशिप पॉइंट बचाना भी शामिल था.